

● यूपी में पांच की मौत:
'धमाका हुआ और...'

रोडवेज की रफ्तार से बिखरे
परिवार, शादी के कार्ड बांटने
निकले थे साजिद



मुजफ्फरनगर, (एजेंसी) मुजफ्फरनगर के बड़ौत मार्ग पर भैसाना गांव में हादसे की वजह रोडवेज की रफ्तार रही। बड़ौत से निकलते ही बस को तेज दौड़ा गया। बुढ़ाना से निकलते ही चालक ने ईको से आगे निकलने के चक्कर में रफ्तार बढ़ा दी। रफ्तार में रोडवेज जीत गई लेकिन हादसे में दो बाइक पर सवार पांच जिंदगियां हार गईं। अपनों का इंतजार कर रहे बेबस परिवार आंसू बहा रहे हैं।

बड़ौत डिपो से मुजफ्फरनगर के लिए रोडवेज बस दोपहर दो बजे 32 यात्रियों को लेकर चली थी। लगभग पौने तीन बजे बस बुढ़ाना पहुंची। अधिकतर सवारियों बुढ़ाना में ही उतर गई थी। यहां से बस में मुजफ्फरनगर के लिए 17 यात्री सवार हुए।

भैसाना तक पहुंचने में परिचालक ने सात सवारियों के टिकट ही बने थे। इस बीच रोडवेज चालक ने आगे चल रही ईको को ओवरटेक करने के चक्कर में रफ्तार बढ़ा दी। काफी दूर तक रोडवेज और ईको बराबर चलते रहे। बस आगे निकली लेकिन एन वक्त पर सामने की तरफ से आ रही दो बाइकों में टक्कर मार दी। हादसा होते ही जोर का धमाका हुआ। बस में सवार यात्री चीख पुकार मचाने लगे।

भैसाना के अनवर ने बताया कि वह अपनी चारपाई पर बैठे हुए थे। दूर से ही बस अनियंत्रित नजर आई। बाइकों में टक्कर मारने के बाद चालक ने बस को एक साइड में रोका और उतरकर भाग गया। यात्रियों ने बताया कि चालक बड़ौत से ही तेज रफ्तार से चल रहा था। कई बार दूसरे वाहनों से टकराने से भी बचा।

हादसे के बाद बस में सवार यात्री कोपने लगे। जोर का धमाका हुआ तो इधर-उधर खड़े लोगों की नजर भी घटनास्थल पर गई। राहगीरों ने अपने वाहन रोक लिए। भैसाना में अपने घरों के पास खड़े लोगों ने शोर मचाया। गांव के सैकड़ों लोग एकत्र हो गए।

● अमेरिका में भारतीय
दंपती की दरियादिली

एआई को बढ़ावा देने के लिए
कॉलेज को दिए ₹191 करोड़,
आंध्र से हैं कनेक्शन

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट



सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 12 अंक : 49

इंदौर, गुरुवार 10 सितंबर, 2026

पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

मुख्यमंत्री ने दिए सागर शराब कांड की न्यायिक जांच के आदेश इरशाद वली बनाए गए आईजी

● डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। सागर में पीड़ितों से मुलाकात व प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद सीएम डॉ. यादव भोपाल लौटे और फिर ये फैसले लिए। मुख्यमंत्री के इस फैसले से सरकार की सख्त प्रशासनिक कार्यशैली और जवाबदेही तय करने की नीति स्पष्ट होती है। गौरतलब है कि डॉ. यादव का कहना है कि गंभीर मामलों में लापरवाही अथवा अनियमितता को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया है कि आमजन की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में लापरवाही पाए जाने पर जवाबदेही तय की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शांति एवं सौहार्द बिगाड़ने की मंशा से सोशल मीडिया या अन्य विभिन्न माध्यमों पर अनावश्यक अफवाह फैलाने वाले तत्वों पर पैनी नजर रखने और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में नशा विरोधी अभियान को गति देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशे के अवैध कारोबार को पूरी तरह ध्वस्त किया जाए। साथ ही,



नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्यरत स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को साथ लेकर जनजागरूकता और नशा मुक्ति के प्रभावी कार्यक्रम संचालित किए जाएं।

प्रदेश में कठोर कानून
का है प्रावधान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार के रहते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के समय कठोर कानून बनाया गया कि इसमें धारा 49 और बाकी 304 जोड़ते हुए हत्या से लेकर आजीवन कारावास और फांसी तक की सजा देने

का प्रावधान है। इस प्रकार की घटना में लिप्त है, उन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। हमने प्रशासन को फ्री हैंड दिया है कि वह उस पर कठोर से कठोर कार्रवाई करें, जिनके अवैध अतिक्रमण है या अलग से किसी ने इस प्रकार से अपना साम्राज्य चलाया है, उस पर भी काम करें। हमने पूरे राज्य में निर्देश जारी किए हैं कि नशा मुक्ति अभियान चलाने के लिए धार्मिक संस्थाओं के साथ, सामाजिक संस्थाओं के साथ-साथ अलग-अलग स्तर पर शासन की ओर से भी नशा मुक्ति के अभियान चलाने की आवश्यकता है। हम सबको इससे निपटने के लिए सामाजिक स्तर पर भी प्रतिबद्धता की जरूरत पड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने अस्पताल के
वाडों में जाकर जाना बंदा
के प्रभावितों का हाल

बंदा के अवैध शराब मामले के प्रभावितों को त्वरित राहत देने और उनका ढांडस बंधाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर स्थित बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने अस्पताल के वाडों में जाकर भर्ती मरीजों का कुशलक्षेम जाना और पीड़ित परिवारों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने परिजन से कहा कि सरकार हर स्थिति में आपके साथ है। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मरीज के पास जाकर उनके स्वास्थ्य की स्थिति देखी। पीड़ितों के परिजनों से पूछा 'परिवार में कौन-कौन है? चिंता मत करिए, सरकार हर स्थिति में आपके साथ खड़ी है।' निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने बीएमसी के प्रभारी डीन, अधीक्षक और वरिष्ठ चिकित्सकों से पीड़ितों को सर्वोत्तम इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आवश्यक दवाओं, टेस्ट और विशेषज्ञों की तैनाती 24 घंटे सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

मध्य प्रदेश सड़क सुरक्षा पर सख्ती

30 सितंबर तक सभी गड्डे भरने के निर्देश आवारा मवेशियों पर भी होगी कार्रवाई

● डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट (नश)

इंदौर। सड़क हादसों में कमी लाने के लिए प्रदेश में सड़क सुरक्षा के उपायों को और सख्त किया जाएगा। प्रबंध संचालक भरत यादव ने बुधवार को सड़क सुरक्षा से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को मैदानी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई और विभागों के बीच बेहतर समन्वय के निर्देश दिए। उन्होंने खास तौर पर सड़कों पर घूमने वाले मवेशियों, अवैध पार्किंग, अतिक्रमण और सड़क के गड्डों को हादसों की बड़ी वजह मानते हुए इन पर कार्रवाई करने को कहा। भरत यादव ने



निर्देश दिए कि 30 सितंबर तक सड़कों से सभी पॉटहोल्स यानी गड्डे खत्म किए जाएं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े काम में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त

नहीं की जाएगी। दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट के अनिवार्य उपयोग के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए।

सड़कों पर बेसहारा मवेशियों के कारण होने वाले हादसों को रोकने के लिए पशुपालन विभाग, नगरीय निकाय और जिला प्रशासन को मिलकर कार्रवाई करने को कहा गया। मवेशियों के जमाव वाले स्थानों को चिह्नित कर विशेष अभियान चलाया जाएगा। जरूरत के अनुसार उन्हें नजदीकी गौशालाओं या सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। गौशालाओं की क्षमता का आकलन कर उसे बढ़ाने, अतिरिक्त मवेशियों के लिए अस्थायी शेड बनाने और नगरीय विकास विभाग की एसओपी का पालन सुनिश्चित करने

को कहा गया। लापरवाह पशुपालकों पर कार्रवाई और लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए।

सुप्रीम कोर्ट की सड़क सुरक्षा कमेटी द्वारा प्रदेश के नौ जीरो फ़ैटलटी जिलों का चयन किया गया है। एमडी ने इन जिलों में सड़क सुरक्षा के उपायों को प्राथमिकता से लागू करने के निर्देश दिए। पीडब्ल्यूडी के सभी कार्यपालन यंत्रियों को जिला सड़क सुरक्षा समितियों की बैठकों में सक्रिय रूप से शामिल होने को कहा गया।

आगामी त्योहारों को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

जुलूस मार्गों पर यातायात, पंडालों में सुरक्षा सीसीटीवी और ध्वनि नियंत्रण पर रहेगा विशेष जोर

© डिटेलिव ग्रुप रिपोर्ट (नग)

आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से आज कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिजिज सिंघल, अपर कलेक्टर श्री रिकेश वैश्य सहित अन्य प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों तथा शांति समिति के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में आगामी त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में आगामी हस्तालिता कीज, गणेश चतुर्थी, डोल ग्यारस, अनंत चतुर्दशी चल समारोह, नवरात्रि, दशहरा, महर्षि वाल्मीकि जयंती, दीपावली, गोवर्धन पूजा तथा जनजातीय गौरव दिवस, गुरुनानक जयंती सहित अन्य पर्वों की तैयारियों एवं प्रशासनिक एवं विभागीय व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

जुलूस मार्गों पर सुगम यातायात के लिए मंचों का आकार सीमित रखने के निर्देश- बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने सुझाव दिया कि जुलूस एवं झांकी मार्गों पर स्वागत के लिए बनाए जाने वाले मंचों का आकार निर्धारित एवं सीमित रखा जाए। मंचों की चौड़ाई कम



होने से यातायात बाधित नहीं होगा तथा झांकियों की आवाजाही भी सुचारु रूप से हो सकेगी। बैठक में जुलूस मार्गों की संकरी गलियों में चल रहे सड़क, गड्ढे एवं पाइप लाइन मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

पंडालों में सीसीटीवी से निगरानी और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश- बैठक में गणेश उत्सव एवं नवरात्रि आदि के दौरान स्थापित किए जाने वाले पंडालों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। पंडाल

आयोजकों से अपने पंडाल एवं मूर्ति स्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाने का आग्रह किया गया, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की प्रभावी निगरानी की जा सके। पंडालों में फायर सेफ्टी एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा इंतजाम निर्धारित मापदंडों के अनुरूप सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। जुलूस मार्गों पर स्थित जर्जर एवं पुराने भवनों की जांच तथा खतरनाक पेड़ों की छंटाई कराने के भी निर्देश दिए गए।

डीजे पर प्रतिबंध- बैठक में ध्वनि

प्रदूषण से संबंधित विषय पर भी चर्चा हुई। अत्यधिक तेज आवाज एवं हाई-बेस वाले डीजे के उपयोग पर निर्धारित नियमों के अनुरूप नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बताया गया कि डीजे के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। समिति सदस्यों ने कहा कि स्वागत मंचों पर अश्लील एवं मर्यादाहीन गीतों अथवा प्रस्तुतियों के स्थान पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम ही किये जायें।

मिलावट और अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई जारी- बैठक

में त्योहारों के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं आबकारी विभाग द्वारा की जा रही कार्रवाई की भी जानकारी दी गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि मिलावटी खाद्य पदार्थों तथा अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। नागरिकों एवं शांति समिति के सदस्यों से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की मिलावट अथवा अवैध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित विभाग अथवा प्रशासन को सूचित करें।

आयोजकों के साथ होगी समन्वय बैठक- बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी त्योहारों के आयोजकों एवं शांति समिति के प्रतिनिधियों के साथ पृथक समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें सुरक्षा व्यवस्था, मंचों के निर्धारित डायमेंशन, डीजे की ध्वनि सीमा, सीसीटीवी, अग्नि सुरक्षा एवं जुलूस मार्गों से संबंधित दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जाएगी।

कलेक्टर श्री वर्मा ने त्योहारों एवं जुलूसों के दौरान आपातकालीन वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के साथ पुलिस बल एवं नगर निगम की अलर्ट टीमों को पूरी मुस्ती से तैनात रखने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने सभी आयोजकों एवं नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए त्योहारों को आपसी सौहार्द, अनुशासन एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने का आह्वान किया।

बीच शहर में बड़ी कार्रवाई

कान्ह नदी किनारे 50 से अधिक अवैध दुकानें हटाई



© डिटेलिव ग्रुप रिपोर्ट (नग)

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला प्रशासन एवं नगर निगम ने बुधवार को संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के बीचों-बीच कान्ह नदी के किनारे स्थित 100 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की बेशकीमती शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया। साउथ तोड़ा क्षेत्र में नदी किनारे अवैध रूप से बनाई गई 50 से अधिक दुकानों को हटाने की कार्रवाई की गई। इन दुकानों में छोटे-छोटे कारखाने (लोहे की सामग्री बनाने के) भी बिना अनुमति के चल रहे थे।

एसडीएम श्री घनश्याम धनगर ने बताया कि साउथ तोड़ा क्षेत्र में कान्ह नदी के किनारे लगभग दो एकड़ शासकीय भूमि पर अवैध रूप से दुकानें निर्मित कर अतिक्रमण किया गया था।

इन दुकानों के कारण नदी के प्राकृतिक बहाव में भी अवरोध उत्पन्न हो रहा था। जिला प्रशासन की टीम ने कार्रवाई करते हुए सभी अतिक्रमण हटाए और बेशकीमती शासकीय भूमि को अपने कब्जे में लिया।

उन्होंने बताया कि कार्रवाई के बाद नदी क्षेत्र को व्यवस्थित एवं विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। कान्ह नदी के इस क्षेत्र का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा, जिससे नदी का स्वरूप निखरेगा और क्षेत्र को बेहतर एवं सुव्यवस्थित बनाया जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इन्होंने निर्देशों के परिपालन में जिला प्रशासन द्वारा शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई लगातार की जा रही है।

इंदौर में ₹2 के अतिरिक्त सार्वजनिक निवेश से ₹8 तक की आय क्षमता विकसित हो सकती है : सांसद श्री लालवानी

● इंदौर के वैश्विक विकास के लिए सांसद श्री शंकर लालवानी ने राज्य वित्त आयोग के समक्ष रखी विशेष वित्तीय मांगें

● बंगलुरु की तर्ज पर 1 प्रतिशत विशेष अनुदान और नगर निगम की वित्तीय हिस्सेदारी में 5 गुना वृद्धि का प्रस्ताव

© डिटेलिव ग्रुप रिपोर्ट (नग)

इंदौर। इंदौर को वैश्विक स्तर के महानगर के रूप में विकसित करने तथा प्रदेश की आर्थिक एवं राजस्व क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से सांसद श्री शंकर लालवानी ने छठवें राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री जयभान सिंह पवैया के समक्ष विशेष वित्तीय प्रावधानों की मांग रखी। इंदौर के रेसीडेंसी कोठी में बैठक के दौरान उन्होंने इंदौर महानगरीय क्षेत्र की आर्थिक क्षमता और बढ़ती अधोसंरचना संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

सांसद श्री लालवानी ने कहा कि इंदौर जैसे उच्च आर्थिक



क्षमता वाले क्षेत्र में अतिरिक्त सार्वजनिक निवेश को केवल व्यय के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। बेहतर अधोसंरचना से निवेश, रोजगार, उत्पादन और निर्यात बढ़ेंगे, जिससे भविष्य में सरकार के कर राजस्व में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इंदौर में 2 के अतिरिक्त सार्वजनिक निवेश से 8 तक की आय क्षमता विकसित हो सकती है।

सांसद श्री लालवानी ने बताया कि इंदौर महानगरीय क्षेत्र प्रदेश के प्रमुख आर्थिक केंद्रों में शामिल है। उनके अनुसार प्रदेश के कर संग्रह में इंदौर की हिस्सेदारी लगभग 15 प्रतिशत, विनिर्माण क्षेत्र में 30 प्रतिशत तथा प्रदेश के निर्यात में 60 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कहा कि आर्थिक गतिविधियों के अनुरूप सड़क, सार्वजनिक परिवहन, जलापूर्ति, सीवेज, ड्रेनेज, स्वच्छता और डिजिटल अधोसंरचना को मजबूत करने

के लिए पर्याप्त एवं निरंतर वित्तीय संसाधन आवश्यक हैं। सांसद श्री लालवानी ने बंगलुरु की तर्ज पर इंदौर के लिए सामान्य वित्तीय व्यवस्था के अतिरिक्त 1 प्रतिशत विशेष अनुदान दिए जाने की मांग रखी। इसका उपयोग आधुनिक शहरी अधोसंरचना, सार्वजनिक परिवहन, सड़क एवं ट्रेफिक नेटवर्क, 24x7 जलापूर्ति, सीवेज-ड्रेनेज, स्वच्छता तथा डिजिटल नागरिक सेवाओं के विकास में किया जा सकेगा। उन्होंने इंदौर नगर निगम की वर्तमान वित्तीय हिस्सेदारी में 5 गुना वृद्धि तथा पूरे इंदौर महानगरीय क्षेत्र के एकीकृत विकास के लिए पृथक विशेष अनुदान की भी मांग की।

सांसद श्री लालवानी ने महानगरीय क्षेत्र में शामिल ग्रामीण निकायों के लिए सामान्य अनुदान के अतिरिक्त 1 प्रतिशत विशेष प्रावधान किए जाने का

प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में सड़क, जलापूर्ति, स्वच्छता, ड्रेनेज तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का समयबद्ध विकास आवश्यक है, ताकि भविष्य के औद्योगिक, आवासीय और आर्थिक विस्तार को बेहतर आधार मिल सके।

सांसद श्री लालवानी ने कहा कि इंदौर को अतिरिक्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने का उद्देश्य किसी अन्य क्षेत्र के विकास को कम करना नहीं, बल्कि उच्च आर्थिक क्षमता वाले क्षेत्र में लक्षित निवेश के माध्यम से पूरे मध्यप्रदेश के आर्थिक एवं राजस्व आधार को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि अधिक सार्वजनिक निवेश से बेहतर अधोसंरचना, अधिक उद्योग एवं निजी निवेश, रोजगार, उत्पादन और निर्यात में वृद्धि होगी तथा अंततः प्रदेश के कर संग्रह में भी बढ़ोतरी होगी।

सांसद श्री लालवानी ने राज्य वित्त आयोग से आग्रह किया कि आगामी अनुसंधानों में इंदौर के लिए 1 प्रतिशत विशेष अनुदान, नगर निगम की वित्तीय हिस्सेदारी में 5 गुना वृद्धि, महानगरीय क्षेत्र के लिए पृथक विशेष अनुदान तथा ग्रामीण निकायों के लिए 1 प्रतिशत विशेष प्रावधान शामिल किए जाएं। उन्होंने कहा कि इंदौर को अधिक हिस्सा देना सरकार पर अतिरिक्त बोझ नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की भविष्य की आय और आर्थिक शक्ति बढ़ाने वाला निवेश है।

आंगनवाड़ी केंद्रों को समाज से जोड़कर पोषण अभियान को बनाएं प्रभावी : मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने इंदौर से राज्य स्तरीय 9वें राष्ट्रीय पोषण माह का किया शुभारंभ

© डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नम्र)

इंदौर। प्रदेश में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह-2026 की शुरुआत आज इंदौर से समारोह पूर्वक की गई। आगामी 8 अक्टूबर तक 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम पर चलने वाले इस अभियान का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने किया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी एवं डॉ. कविता पाटीदार विशेष रूप से मौजूद थीं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने अपने उद्घोषण में कहा कि स्वस्थ बच्चे ही प्रदेश और देश के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं के पोषण और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए जनभागीदारी के साथ कार्य किया जाएगा। मंत्री सुश्री भूरिया ने



कहा कि पोषण माह के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएगी। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य पदार्थों और पारंपरिक व्यंजनों को बढ़ावा देकर बच्चों को पोषिक एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि गर्भवती

और धात्री माताओं को अपने स्वास्थ्य एवं खान-पान के प्रति जागरूक रहना भी आवश्यक है। गर्भावस्था के दौरान पोषिक भोजन लेने से मां और बच्चे दोनों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है तथा कुपोषण की रोकथाम में मदद मिलती है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं

द्वारा माताओं को पोषण, स्वच्छता और बच्चों की देखभाल के संबंध में निरंतर समझावश दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों को अभिभावकों, सरपंचों, पार्षदों, जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं सहित समाज के सभी वर्गों से जोड़ा जाए। सामूहिक प्रयासों से आंगनवाड़ी केंद्रों की गतिविधियों को और प्रभावी बनाया जा सकता है। मंत्री सुश्री भूरिया ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं से कहा कि वे स्थानीय जरूरतों के अनुसार नए नवाचार करें और बेहतर कार्यों को सोशल मीडिया के माध्यम से साझा कर अन्य आंगनवाड़ी केंद्रों को भी प्रेरित करें। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि विभाग द्वारा आंगनवाड़ी भवनों की उपलब्धता बढ़ाने, मिनी आंगनवाड़ियों को मुख्य आंगनवाड़ी में उन्नयन करने तथा कर्मचारियों की लंबित पदोन्नति की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के प्रयास किए

गए हैं। बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के साथ-साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की सुविधाओं का भी ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान अशासकीय संस्थाओं के सहयोग से भी विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएगी। उन्होंने सभी से पोषण अभियान को जनआंदोलन का रूप देने और योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए चार संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किए गए। कार्यक्रम में American India Foundation, AIIMS, IPE Global तथा Nayi Disha Foundation के साथ एमओयू किया गया। इन संस्थाओं के सहयोग से बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा तथा आंगनवाड़ी केंद्रों की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के लिए कार्य किया जाएगा।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आवकारी विभाग की कार्रवाई महूगांव में बंद मकान से लगभग 1.17 लाख कीमत की 234 बल्क लीटर अवैध मदिरा बरामद



© डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नम्र)

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेशानुसार तथा सहायक आयुक्त आवकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में आवकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध सतत अभियान संचालित किया जा रहा है।

उक्त अभियान के तहत आज 09 सितंबर बुधवार सुबह मुखबिर की सूचना के आधार पर महूगांव की सुपरसिटी कॉलोनी शांति नगर में स्थित मकान नंबर 28D की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान मौके से कुल लगभग 234

बल्क लीटर अवैध मदिरा जिसमें 11 मसाला एवं 15 प्लेन पेटी मदिरा बरामद की गई, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 1.17 लाख रुपये है। बरामद मदिरा मध्यप्रदेश में बिक्री हेतु थी। उक्त कार्रवाई सहायक जिला आवकारी अधिकारी श्री पवन टीकेकर, श्रीमती निधि शर्मा एवं आवकारी उपनिरीक्षक श्री जयेश वास्केल एवं उनकी टीम द्वारा की गई। जिला आवकारी विभाग इंदौर द्वारा बताया गया कि अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध अभियान निरंतर एवं प्रभावी रूप से जारी रहेगा।

डॉक्टर-प्रोफेसरों के बीच विवाद, कुलपति को शिकायत

© डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नम्र)

इंदौर। भंवरकुआ पुलिस ने व्हाट्सएप ग्रुप में भाजपा की जीत की बधाई वाली पोस्ट के बाद डॉक्टर प्रोफेसरों के बीच हुए विवाद और मारपीट के मामले में एफआईआर दर्ज की है। मामले की शिकायत विभाग के साथ कुलसचिव और कुलपति स्तर पर भी की गई है। पुलिस ने डॉक्टर अंकित शुक्ला की शिकायत पर डॉक्टर मुकेश सोलंकी के खिलाफ केस दर्ज किया है। अंकित ने पुलिस को बताया कि वह डायमंड जुबली पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप कर रहे हैं। उन्होंने डीएवीपी के ऑफिशियल व्हाट्सएप ग्रुप पर भाजपा की चुनावी जीत की बधाई का मैसेज पोस्ट किया था। अंकित के मुताबिक, इसके बाद मुकेश सोलंकी ने उन्हें ग्रुप से बाहर कर दिया। बाद में बातचीत के लिए उन्हें बलास में बुलाया गया, जहां कथित तौर पर अपशब्द कहे हुए उनके साथ मारपीट की गई। अंकित का आरोप है कि मुकेश ने कार्रवाई करने की धमकी भी दी। इसके बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ कुलसचिव और कुलपति से भी शिकायत की। भंवरकुआ पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकेश सोलंकी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ज्योतिषीय/अनुष्ठानिक

सलाह -मार्गदर्शन हेतु सम्पर्क करें

"एक सलाहकार और शुभचिंतक"

॥ बाबापण्डित ॥

(अनुष्ठानिक कार्य एवं हरिकथा प्रेमी)

आपकी परिस्थितियों को समझते हुए मेरी एक अनुष्ठानिक प्रयोग की सलाह आपकी पीड़ा / समस्या के समाधान में सहायक हो सकती है।

- कतिपय अनुष्ठान प्रयोग -

एक दिवसीय महागणपति एवं आदिदेवभास्कर अभिसिंचन अनुष्ठान

एकदिवसीय अष्टमहालक्ष्मी विनायक अनुष्ठान

एकदिवसीय महादेवरुद्र स्तवन अनुष्ठान

एकदिवसीय हनुमंतवंदन- वाल्मीकि सुंदरकांड अनुष्ठान

त्रिदिवसीय सत्यनारायण पूजनकथा - हरिकथा अनुष्ठान

इसके अन्वयत्र यजमान की समस्या की भूमिका एवं प्रकृतिनुसार अन्य वैदिक/शास्त्रोक्त अनुष्ठानों का भी प्रयोग समस्या निवारण में किया जा सकता है।

कृपया अपनी जिज्ञासा/समाधान हेतु संपर्क करें।

Email - babapandit.in@gmail.com

किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज और बेहतर कृषि सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि की जाए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

कृषि को केवल जीविकोपार्जन का साधन न मानकर इसे किसानों के लिए लाभ का व्यवसाय बनाया जाए

डिटिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर निवाड़ी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कृषि विकास, आधुनिक तकनीकों के उपयोग और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से संवाद कर कृषि से जुड़े विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है तथा किसानों को उन्नत तकनीक, बेहतर सुविधाएं और शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में मौजूद किसानों से कहा कि कृषि क्षेत्र आने वाले समय में प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ और सबकी समृद्धि की सबसे बड़ी गारंटी बनने का रहा है। उन्होंने किसानों से कहा कि वे दुग्ध उत्पादन, शीतल उत्पादन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी जिसमें भी उनकी रुचि है, एक नई शुरुआत के साथ आगे बढ़ें। हमारी सरकार फोल्ड से लेकर फैक्ट्री तक हमेशा किसानों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

कहा कि सभी किसान इस बलराम कृषि महोत्सव में बड़-चढ़कर हिस्सा लें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि किसान कल्याण वर्ष के माध्यम से पूरे वर्ष किसानों के हित में निरंतर कार्य किया जाए। किसानों की आय बढ़ाना और खेती को अधिक लाभकारी बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि कृषि के क्षेत्र में नई तकनीक, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि यंत्र और वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग बढ़ाने से किसानों को उत्पादन एवं आय में वृद्धि का लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव जैसे आयोजनों के माध्यम से किसानों को कृषि वैज्ञानिकों से सीधे संवाद करने, उन्नत कृषि यंत्रों, नवीन तकनीकों और बेहतर कृषि उत्पादन से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलता है। किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं उन्नत बीजों के साथ आधुनिक कृषि उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे खेती की लागत कम हो और उत्पादन में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार परंपरागत कृषि पद्धतियों के साथ प्राकृतिक एवं जैविक खेती को भी बढ़ावा दे रही



है। प्राकृतिक खेती को अपनाकर किसान कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पादन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को सिंचाई और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। किसानों को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के साथ कृषि क्षेत्र में आवश्यक अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ खड़ी है और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं, महिलाओं, गरीबों और किसानों को आगे बढ़ाने के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार का

देशिय समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के साथ पशुपालन, पर्यटन और अन्य रोजगारपरक गतिविधियों को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। गौशाला एवं पशुपालन से संबंधित योजनाओं के माध्यम से भी ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे कृषि वैज्ञानिकों और कृषि विभाग के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेकर आधुनिक तकनीकों को अपनाएं तथा प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज और आधुनिक कृषि यंत्रों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत किसानों के हित में विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण की सुविधा दी जा रही है। खरीफ एवं रबी फसलों के लिए ऋण चुकाने की अवधि 6-6 माह निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर अब एक वर्ष कर दिया गया है। अब किसान जिस दिन ऋण लेगा, उस दिनांक से एक वर्ष की अवधि में ऋण चुका सकेगा। प्रदेश में ढाई करोड़ किसानों को सब्सिडी पर बीज उपलब्ध

कराया गया है।

कार्यक्रम में अध्यक्ष अपेक्ष बैंक भोपाल के प्रशासक श्री महेंद्र सिंह यादव, प्रदेश प्रभारी बलराम कृषि महोत्सव श्री कपिल दादें और विधायक निवाड़ी श्री अनिल जैन, सांसद प्रतिनिधि श्री राजेश पटेलरिया, कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े, पुलिस अधीक्षक डॉ. राय सिंह नरवरिया द्वारा अन्य अतिथियों की उपस्थिति में देवेन्द्रपुरा निवासी कृषक श्री उदयभान कुशवाहा को संरक्षित खेती, पठाराम के कृषक श्री सतीश बंशकार को औषधिय खेती, तरीचर कलां के कृषक श्री सुरेश कुमार साहू को निजी कस्टम हायरिंग केंद्र, मंडिया खास के श्री कुलदीप सिंह दांगी को ई कृषि यंत्र अनुदान, टीला के कृषक श्री अरविंद घोष को डेयरी प्लस, सुजानपुरा के कृषक श्री सुरेन्द्र कुमार यादव को गो-मैत्री योजना, चचावली के कृषक श्री लालाराम सूत्रकार को प्राकृतिक खेती एवं थीना निवासी श्री कैलाश नारायण केवट को मत्स्य बीज उत्पादन के लिये सम्मानित किया गया। साथ ही शासकीय कन्या उ. मा. वि. निवाड़ी की छात्रा कु. शिवानी कुशवाहा ने कक्षा 10वीं परीक्षा में प्रदेश की प्रवीण सूची में 9वां स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया एवं जिले के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

ममलेश्वर मंदिर की आय सार्वजनिक

अब ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के हिसाब पर उठे सवाल, ब्योरा कब सार्वजनिक?

डिटिव ग्रुप रिपोर्ट

खरगोन, एजेंसी। स्थानीय लोगों का कहना है कि ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर में दानपात्रों के अलावा शीघ्र दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक, लड्डू प्रसाद सहित अन्य धार्मिक सेवाओं से भी राशि प्राप्त होती है। ऐसे में श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को मंदिर की कुल आय और उसके उपयोग की जानकारी सार्वजनिक रूप से मिलनी चाहिए।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, सावन माह में श्रद्धालुओं की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई थी। इस दौरान दान, पूजन-अभिषेक और अन्य धार्मिक व्यवस्थाओं से



मंदिर को प्राप्त होने वाली राशि भी बड़ी होगी। नागरिकों की मांग है कि मंदिर को वर्षभर में प्राप्त कुल आय और विकास कार्यों, धार्मिक गतिविधियों तथा अन्य मदों में किए गए खर्च का विवरण सार्वजनिक किया जाए।

ओंकारेश्वर के संत

ओंकारनाथ ने भी मंदिर की आय-व्यय व्यवस्था में पारदर्शिता की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु आस्था के साथ मंदिर में दान करते हैं, इसलिए मंदिर की आय और उसके उपयोग की जानकारी पारदर्शी तरीके से सामने आनी चाहिए।

उठ रहे हैं कई सवाल

स्थानीय नागरिकों का सवाल है कि जब ममलेश्वर मंदिर के छह दानपात्रों से प्राप्त 8 लाख 65 हजार 940 रुपये की राशि का विवरण सार्वजनिक किया जा सकता है, तो ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दान और अन्य सौतों से प्राप्त आय का पूरा विवरण सार्वजनिक क्यों नहीं किया जाता? नागरिकों ने प्रशासन और मंदिर प्रबंधन से मांग की है कि ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर की मासिक और वार्षिक आय-व्यय का पूरा लेखा-जोखा सार्वजनिक किया जाए। उनका कहना है कि इससे श्रद्धालुओं और आम लोगों के बीच मंदिर प्रबंधन को लेकर पारदर्शिता बनी रहेगी।

बोलेरो और बाइक की टक्कर, जीजा-साले की मौत

नर्मदापुरम। पिपरिया स्टेट हाईवे पर सेमरीहरचंद में मंगलवार रात करीब 10.30 बजे बोलेरो और बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। हादसा सेमरीहरचंद में एटी से पहले नाले की पुलिया के पास मोड़ पर हुआ। टक्कर इतनी थी कि बोलेरो बाइक को साथ लेकर सड़क से करीब 5 फीट नीचे उतरकर पलट गई। हादसे में बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों सगे जीजा-साले थे। बोलेरो ड्राइवर गंभीर रूप से घायल है।

तायल बंधुओं के ठिकानों पर ईडी की रेड

संघवा। शहर में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने कारोबारी अशोक तायल और उनके परिवार से जुड़े ठिकानों पर कार्रवाई की। ईडी की टीमें जगन्नाथपुरी कॉलोनी स्थित उनके घर, पुराने एबी रोड स्थित मकान और वरला रोड स्थित राजनजेश्वर जिनिंग फैक्ट्री पहुंची। आठ महीने पहले तायल बंधुओं से जुड़े ठिकानों पर सीबीआई की टीम ने भी कार्रवाई की थी। पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल ने संघवा में ईडी की इस कार्रवाई की पुष्टि की है। हालांकि, यह कार्रवाई किस मामले में और किन दस्तावेजों की जांच के लिए की जा रही है, इस बारे में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी सामने नहीं आई।

जनसमस्याओं और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं को उजागर करने वाले साहसी, कर्मठ साथियों की दैनिक अखबार और न्यूज़ चैनल में आवश्यकता है... जो लेखनी और भाषा का दावह हो।
है...कृष्ण व्यक्तित्व संपर्क करें -
Email:- dgrnewsnetwork@gmail.com



You Tube Detective Group Report
SUBSCRIBE

समाचार और विज्ञापन के लिए संपर्क करें

+91 9111156060

खड़े हनुमान मंदिर पर संत समाज और प्रशासन आमने सामने, महामंडलेश्वर की चेतावनी- यहीं रमाएंगे धुनी

डिटिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। धर्मनगरी उज्जैन में श्री खड़े हनुमान मंदिर को लेकर विवाद गहरा गया है। मंदिर के बाहरी हिस्से को हटाए जाने और भगवान श्री खड़े हनुमान की प्रतिमा को विस्थापित करने के प्रयासों के विरोध में हिंदू संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है। मामले को लेकर महामंडलेश्वर अतुलेशानंद सरस्वती (आचार्य शेखर) ने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि हिंदू समाज अब किसी भी



सूरत में पीछे नहीं हटेगा। महामंडलेश्वर अतुलेशानंद सरस्वती ने मंदिर की धार्मिक और आध्यात्मिक मान्यता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह स्थान श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का केंद्र है। उन्होंने दावा किया कि यहां धागा बांधने मात्र से असाध्य

रोगों से पीड़ित लोगों के ठीक होने की मान्यता है। उन्होंने नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि अधिकारियों को धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि भगवान हनुमान से बड़ा कोई पुरातत्वविद नहीं हो सकता।

महामंडलेश्वर ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने पोकलेन, जेसीबी और क्रेन की मदद से मंदिर के बाहरी हिस्से को तोड़ा और भगवान खड़े हनुमान जी की प्रतिमा को हटाने का प्रयास

किया। उन्होंने दावा किया कि तमाम कोशिशों के बावजूद प्रतिमा टस से मस नहीं हुई। उन्होंने कहा कि शहर के विकास के लिए हिंदू समाज ने हमेशा सहयोग किया है और अब तक 40 से अधिक मंदिरों के विस्थापन को सहन किया है। इसके बावजूद प्रशासन इस छोटे से 4 बाय 4 फीट के स्थान को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि जिन लोगों ने मंदिर का शिखर तोड़ा या हथौड़े चलाए, वे आज बीमार हैं और बिस्तर से उठने की स्थिति में नहीं हैं।

धर्म-कर्म

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट की फटकार
और सरकारी तानाशाही
का पर्दाफाश

जिस अफसर को सरकार ने कभी 'आउटस्टैंडिंग' और 'वेरी गुड' जैसी ग्रेडिंग दी, उसी को कुछ ही महीनों बाद 'डेडवुड' बताकर नौकरी से हटा दिया गया, सुनने में आजीब लगता है, है न? लेकिन यह सच है, ऐसा ही एक मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। यह मामला SC पहुंचा तो अदालत ने सरकारी कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि जिस अफसर को हाल ही में प्रमोशन देकर बड़ी जिम्मेदारी के लायक माना गया हो, उसे अचानक 'डेडवुड' बताना आपस में मेल नहीं खाता, यह बड़ा विरोधाभास लगता है। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय व्यापार सेवा के अधिकारी एस. एस. दास की 2018 में हुई अनिवार्य सेवानिवृत्ति को रद्द कर दिया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नांगू की बेंच ने कहा कि दास का सेवा रिकॉर्ड लगातार बेहतर रहा था और उन्हें फरवरी 2018 में जॉइंट सेक्रेटरी स्तर पर नियमित प्रमोशन भी मिला था। इसके बावजूद मई में उन्हें रिटायर कर दिया गया। अब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को आदेश दिया है कि दास को 15 लाख रुपये का रुपये का मुआवजा दिया जाए, यह मुआवजा लागत और प्रतिष्ठा को हुए नुकसान के लिए दिया जाना है। कहां से शुरू हुआ मामला, कैसे यहां तक पहुंचा, आइए जानते हैं। दास को 10 मई 2018 को एफआर 56(जे) के तहत अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी गई थी। उस समय उनकी सेवा अवधि पूरी होने में करीब पांच साल बाकी थे। उन्होंने फैसले को चुनौती दी, लेकिन कैट और दिल्ली हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रमोशन और उसके कुछ ही समय बाद 'डेडवुड' बताकर रिटायर करना एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। कोर्ट के मुताबिक हालिया प्रमोशन इस बात का मजबूत संकेत था कि अधिकारी को उच्च जिम्मेदारी सौंपने के योग्य पाया गया था। बेंच ने कहा कि पूरी प्रक्रिया से ऐसा लगता है कि दास को किसी भी कीमत पर हटाने का फैसला पहले ही कर लिया गया था और बाद में उसे सही ठहराने के लिए कारण खोजे गए। कोर्ट ने इसे 'उच्च पदों का गंभीर दुरुपयोग' बताया। कोर्ट ने दास को सभी सेवा लाभ बहाल करने का आदेश दिया। इसमें जरूरत पड़ने पर जूनियरों को मिली पदोन्नति के आधार पर उनकी नॉशनल प्रमोशन भी शामिल होगी। सरकार को उन्हें 6 लाख रुपये लागत और प्रतिष्ठा को हुए नुकसान के लिए 9 लाख रुपये यानी कुल 15 लाख रुपये देने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने डायरेक्टर जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड को दास को कार्यालय बुलाकर उसी तरह पूरे सम्मान के साथ विदाई देने का निर्देश दिया, जैसी उन्हें सामान्य तौर पर सेवानिवृत्ति के समय मिलती। कोर्ट ने कहा कि एफआर 56(जे) के तहत किसी कर्मचारी को समय से पहले रिटायर करने की शक्ति का इस्तेमाल हल्के या मनमाने तरीके से नहीं हो सकता। इसके लिए ठोस और भरोसेमंद सामग्री जरूरी है, केवल शक या अनुमान के आधार पर ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती।

गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को मनाई जाएगी। इसे कलंक चतुर्थी भी कहा जाता है। इस दिन चंद्रमा के दर्शन करना निषेध होता है। कहते हैं कि एक बार श्रीकृष्णजी ने चतुर्थी पर चांद देख लिया था तो उन पर एक झूठा आरोप लग गया था। तो चलिए विस्तार से जानें कि गणेश चतुर्थी पर चांद क्यों नहीं देखना चाहिए और ऐसा करने से क्या होता है।

गणेश चतुर्थी पर चांद क्यों नहीं देखना चाहिए?

इसे कलंक चतुर्थी कहने का क्या है कारण, जानें पूरी कथा



गणेश चतुर्थी का त्योहार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन गणेशजी का जन्म हुआ था। ऐसे में लोग धूमधाम से यह पर्व मनाते हैं। वहीं, गणेश चतुर्थी को कलंक चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन चंद्रमा के दर्शन करना वर्जित माना गया है। पौराणिक कथा के अनुसार, इसी तिथि पर एक बार कुछ ऐसा हुआ था कि चंद्रदेव को गणेशजी ने क्षय होने का शाप दे दिया था। तभी से चंद्रमा के दर्शन कलंक चतुर्थी पर निषेध माने जाते हैं। विष्णु पुराण की एक कथा के अनुसार, भगवान कृष्ण ने एक बार चतुर्थी का चांद देख लिया था। तब उन पर एक झूठा आरोप लग गया था। तो चलिए विस्तार से जानते हैं कि गणेश चतुर्थी पर चांद क्यों नहीं देखना चाहिए, इसकी कथा और कारण क्या है।

● गणेश चतुर्थी पर क्यों नहीं देखते चंद्रमा?

इसके पीछे एक पौराणिक कथा छिपी है। दरअसल, एक बार भगवान गणेश अपने हाथ में कई सारे लड्डू लेकर मूषक पर सवार होकर जा रहे थे। तभी उनका संतुलन बिगड़ा और वह

लड़खड़ाकर गिर गए। यह देखकर चंद्रदेव हंसने लगे। इस बात पर गणेशजी बहुत क्रोधित हुए और उन्हें अपमानित महसूस होने लगे। उसी समय गणपतिजी ने चंद्रमा को क्षय होने का शाप दे दिया। इसके कारण चंद्रमा का तेज हर दिन कम होने लगा और वह मृत्यु की ओर बढ़ने लगा था। तब सभी देवताओं ने चंद्रदेव से कहा कि तुम शिवजी की तपस्या करो।

● चंद्रदेव ने शिवजी को प्रसन्न करने के लिए की तपस्या

चंद्रदेव ने गुजरात के समुद्र तट पर शिवलिंग बनाकर वहां शिवजी की तपस्या की। चंद्रदेव की तपस्या से भगवान शिव प्रसन्न हुए और उन्होंने चंद्रमा को मृत्यु से बचा लिया। इसके बाद, चंद्रदेव ने जाकर भगवान गणेश से क्षमा मांगी। इस पर गणेशजी ने उत्तर दिया कि मैं आपका शाप तो खत्म नहीं कर सकता लेकिन, आप हर दिन क्षय होंगे और 15 दिन बाद दोबारा बढ़ने लगेंगे। इसके बाद, पूर्ण हो जाएंगे। लोग आपके दर्शन प्रतिदिन कर सकेंगे लेकिन, भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी तिथि को

जो भी मनुष्य चंद्रमा के दर्शन करेगा उसको कलंक का सामना करना पड़ेगा। उस व्यक्ति पर कोई झूठा आरोप लगने की आशंका रहेगी। बता दें कि जहां चंद्रदेव ने तपस्या की वहां भगवान शिव ज्योतिर्लिंग रूप में पहली बार प्रकट हुए थे। इसी स्थान को सोमनाथ कहा जाता है।

● गणेश चतुर्थी पर चंद्र दर्शन करना पड़ सकता है भारी

कहते हैं कि जिस दिन गणेशजी ने चंद्रमा को शाप दिया वह भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि थी। इस अगर कोई व्यक्ति चंद्रमा के दर्शन कर लेता है तो उसे जीवन में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। मिथ्या दोष के लगने के चलते जीवन में बाधाएं आ सकती हैं और आप पर कोई झूठा आरोप या कलंक भी लग सकता है। यही कारण है कि गणेश चतुर्थी को कलंक चतुर्थी कहा गया है। माना जाता है कि एक बार श्रीकृष्ण जी पर भी स्वर्णमय मणि की चोरी का झूठा आरोप लगा था। ऐसे में गणेश चतुर्थी पर चंद्रमा से जुड़े इस विशेष नियम का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

Paschim Bangal

New Delhi

778 ठिकानों पर रेड, ₹2.27 करोड़ का कोयला जब्त... पश्चिम बंगाल और झारखंड में CISF का बड़ा एक्शन

67 अवैध खदानें सील

कोलकाता, (एजेंसी) पश्चिम बंगाल और झारखंड के ईस्टर्न कोयलफिल्ड्स लिमिटेड यानी ECL इलाके में सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्वियोरिटी फोर्स यानी CISF ने अवैध कोयला खनन के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया है। इस अभियान में करीब 3,966 मीट्रिक टन अवैध कोयला जब्त किया गया है, जिसकी कीमत लगभग 2.27 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह पूरा अभियान 22 जून से 8 सितंबर के बीच चलाया गया और इसमें बंगाल और झारखंड के कई जिले शामिल रहे। अब खनन खनिज कानून यानी MMDR एक्ट के तहत मिली नई कानूनी ताकत के बाद CISF की यह अब तक की सबसे बड़ी



कार्रवाइयों में से एक मानी जा रही है। यह पूरी मुहिम डीआईजी के.पी. सिंह के निर्देशन और कमांडेंट राहुल सिंह गौतम की निगरानी में चलाई गई। इस दौरान CISF के जवानों ने कुल 778 जगहों पर छापेमारी की और इतने ही मामले MMDR एक्ट, 1957 के तहत दर्ज किए गए।

जांच के दौरान 67 अवैध खनन गड्ढों की पहचान कर उन्हें बंद और सील कर दिया गया, ताकि वहां से आगे कोई अवैध खनन न हो सके। जब्त किए गए कोयले के अलावा, इसे ले जाने में इस्तेमाल हो रहे कई वाहन भी जब्त किए गए। इनमें 2 ट्रक, 5 टोटो, 97 मोटरसाइकिल, 8 ट्रैक्टर, 218 साइकिल और 3 पिकअप वाहन शामिल हैं। इसके साथ ही मौके से 4 लोगों को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित एजेंसियों को सौंप दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक CISF को हाल ही में MMDR एक्ट के तहत सीधे सख्त प्राधिकरण के सामने शिकायत दर्ज करने का अधिकार मिला है, और यही वजह है कि अब पहले से कहीं अधिक तेजी और सख्ती से कार्रवाई कर पा रहा है।

पति पर रेप का केस कैसे चलाया जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने उठाया सवाल



नई दिल्ली, (एजेंसी) सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को वैवाहिक बलात्कार (मेरिटल रेप) से जुड़े कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई 3 हफ्ते बाद सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। चीफ जस्टिस सुर्यकांत की अध्यक्षता वाली 3 सदस्यीय पीठ ने सुनवाई के दौरान सवाल उठाया कि जब कानून में वैवाहिक बलात्कार का अपवाद मौजूद है तो पत्नी के साथ बलात्कार के आरोप में पति पर मुकदमा कैसे चलाया जा सकता है?

पीठ ने पूछा कि जब तक वैवाहिक बलात्कार अपवाद (Marital Rape Exception) की संवैधानिक वैधता पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक किसी पति के खिलाफ पत्नी के साथ बलात्कार के आरोप में अभियोजन कैसे चलाया जा सकता है। यह सवाल कर्नाटक हाई कोर्ट के उस फैसले के संदर्भ में उठा, जिसमें कहा गया था कि वैवाहिक बलात्कार के मामले में पति को कानून के तहत पूरी छूट हासिल नहीं है। पत्नी की इच्छा के खिलाफ यौन संबंध बनाने पर उसके खिलाफ बलात्कार का मुकदमा चलाया जा सकता है।

जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने सवाल किया कि जब तक सुप्रीम कोर्ट अपवाद की संवैधानिक वैधता पर फैसला नहीं करता, तब तक क्या अभियोजन की अनुमति दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि कोर्ट पौड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, लेकिन सवाल यह है कि क्या अभियोजक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा चला सकता है, जब IPC की धारा 375 में स्पष्ट रूप से अपवाद मौजूद था।

Jharkhand

Maharashtra

● रांची में बड़ा हादसा

पानी टंकी का टावर गिरा, मलबे में दबकर दो मजदूरों की मौत तीन को किया गया रेस्क्यू

रांची, (एजेंसी) झारखंड की राजधानी रांची में बुधवार शाम पुराने पानी टंकी के टावर को गिराने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। टावर अचानक ढह गया और उसके मलबे में दबकर दो मजदूरों की मौत हो गई। हादसा शाम करीब छह बजे कोतावली थाना क्षेत्र स्थित जिला स्कूल परिसर में हुआ। यहां नई पानी टंकी बनाने के लिए पुराने ढांचे को तोड़ने का काम चल रहा था। अधिकारियों के मुताबिक, जिस समय पुराने टावर को गिराने का काम चल रहा था, उस दौरान मौके पर कुल पांच मजदूर मौजूद थे। टावर अचानक भ्रंशभरकर गिर गया और दो मजदूर मलबे में दब गए। वहीं, तीन मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। एएसपी निखिल राय ने बताया कि हादसे में दो मजदूरों की मौत हुई है। टावर गिरने के बाद एक मजदूर का शव तुरंत मलबे से बरामद कर लिया गया था, जबकि दूसरा मजदूर मलबे के नीचे फंसा गया था।

महाराष्ट्र सीएम की पत्नी बोलें-

मुस्लिमों का गरबा देखना गलत नहीं

मुंबई, (एजेंसी) महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने कहा कि अगर मुस्लिम भी गरबा देखने आते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं है। त्योहार सभी को साथ लेकर चलने वाले होने चाहिए।

अमृता मंगलवार को चंद्रपुर के सबसे बड़े महाशिवलिंग मंदिर में आयोजित रूद्राभिषेक कार्यक्रम में पहुंची थीं। यहां उन्होंने महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राणे के बयान को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में ये बात कही। राणे ने नवरात्रि में गरबा आयोजनों में मुस्लिमों की एंट्री का विरोध किया था। अमृता फडणवीस ने गणेशोत्सव के दौरान डीजे और तेज संगीत को लेकर चल रहे विवाद पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि त्योहार मनाते समय सभी को सरकार और अदालतों द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि



हमारे उत्सवों के कारण समाज या क्षेत्र के अन्य नागरिकों को कोई परेशानी न हो।

घर पर यथासंभव धर्म का पालन करना अच्छा है, लेकिन सार्वजनिक स्थानों पर त्योहार मनाते समय नियमों का पालन करना जरूरी है।

खेल



पैरा तीरंदाजी सीरीज : शीतल देवी ने साधा स्वर्ण पदक पर निशाना

अहमदाबाद, (एजेंसी) मौजूदा विश्व चैंपियन शीतल देवी ने रोमांचक शूटआउट में शानदार संयम दिखाते हुए पैरा कंपाउंड महिला व्यक्तिगत स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी अगुआई में भारत ने बुधवार को विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज स्टेज-3 का शानदार अंदाज में समापन करते हुए अंतिम दिन दो स्वर्ण और चार कांस्य सहित कुल छह पदक जीते।

कजाकिस्तान की आइजादा को दी मात

विश्व नंबर 1 शीतल का कजाकिस्तान की आइजादा सेइदान के साथ कड़ा मुकाबला हुआ। दोनों तीरंदाजी ने अपने शूटआउट राउंड में परफेक्ट 30 स्कोर किए और दूसरे राउंड के बाद स्कोर 59-59 से बराबरी पर था। तीसरे राउंड में, आइजादा ने 28 और शीतल ने 27 स्कोर किए, जिससे आइजादा को एक



प्वाइंट की बढ़त मिल गई। चौथा राउंड 29-29 पर बराबरी पर छूटा, जिससे भारतीय खिलाड़ी अंतिम राउंड में एक प्वाइंट्स से पीछे थीं। शीतल ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 29 स्कोर किए, जबकि आइजादा ने 28 स्कोर किया। इससे स्कोर 144-144 से बराबर हो गया और मुकाबला शूटआउट में चला गया। आखिरकार भारतीय तीरंदाज को रोमांचक जीत मिली। स्वर्ण पदक दांव पर था और शीतल ने परफेक्ट 10 स्कोर

किया, जबकि आइजादा सिर्फ 9 ही स्कोर कर पाई।

कंपाउंड मिश्रित टीम में जीता था कांस्य

इससे पहले, शीतल ने टोमन कुमार के साथ कंपाउंड मिश्रित टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता था और इस स्वर्ण पदक के साथ उन्होंने इस इवेंट में दो पदक अपने नाम किए। शीतल और टोमन ने कांस्य पदक मैच में इराक की सारा अल हामिद और

अब्बास कादिम को 157-145 से हराया। भारतीय जोड़ी ने पहले तीन राउंड में से हर एक में 39 और आखिरी राउंड में परफेक्ट 40 स्कोर किए और चार राउंड में सिर्फ तीन प्वाइंट्स गंवाए।

हरविंदर-भावना का शानदार प्रदर्शन

पैरा लॉपिक चैंपियन हरविंदर सिंह ने भी भारत के शानदार प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाई और भावना के साथ मिलकर पैरा रिकर्व मिश्रित टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में चीन की लियोंग किउरोंग और जिया लेंग पर दबदबा बनाए रखा और 6-0 से शानदार जीत हासिल की। हरविंदर और भावना ने पहला सेट 35-31 और दूसरा सेट 36-33 से जीता। इसके साथ ही क्लीन स्वीप पूरा हुआ। तीसरा सेट 34-32 पर खत्म हुआ।

सिनेमा



'रणबाली' टीजर: उन 80 लाख भारतीयों की कहानी दिखाते विजय देवरकोंडा, जो भूख और सूखे से मरे, सामने खड़ा ब्रिटिश शैतान



'रणबाली' के मेकर्स ने विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की पौरयुद्ध एक्शन ड्रामा फिल्म का पहला टीजर रिलीज कर दिया है। इससे दर्शकों को फिल्म की बेरहम और ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित दुनिया की पहली झलक मिली है। 16 अक्टूबर को फिल्म के सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले, बुधवार को 2 मिनट 32 सेकंड का यह टीजर जारी किया गया। विजय देवरकोंडा ने X पर टीजर शेयर करते हुए ट्वीट किया, 'कभी मत भूलना। वे लोग जो मेहमान बनकर आए और जालिम बनकर रह गए। हमारे गांवों के वे लोग, जिन्होंने खून-खराबा करने का फैसला किया। 'द सैवज ओथ' (The Savage's Oath)। 'रणबाली' के टीजर की शुरुआत एक गंभीर टाइटल कार्ड से होती है जिस पर लिखा है, 'ब्रिटिश शासन के दौरान 1876-78 में जान गंवाने वाले अस्सी लाख भारतीयों की याद में।' यह 1876-78 के उस भयानक अकाल की ओर सीधा इशारा है जिसने मद्रास प्रेसीडेंसी को तबाह कर दिया था और दक्षिण व पश्चिमी भारत में लाखों लोगों की जान ले ली थी। विजुअल्स में दुख और शोषण की तस्वीर दिखाई गई है, जिसमें सूखे से जूझते गांव और भूख से बेहाल आम लोग कहानी में दिखते हैं।

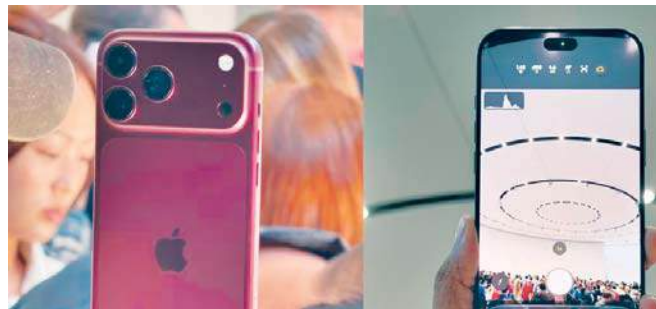
Highlights

1. **Mayawati expels nephew Akash for not reposting her post linked to his father-in-law's retirement**
2. **Padma Shri awardee Purna Das alleges land grab by ex-TMC leader, seeks WB CM's help**
3. **Women MLAs from Kerala walk out NCW workshop over Hindi-only sessions, Tharoor reacts**
4. **Aadhaar architect Nilekani, family names appear in K'taka SIR discrepancy list**

Apple iPhone 18 Pro is finely balancing continuity with experiential upgrades

NEW DEIHI, (Agency). There is a charm in continuity and familiarity. The generation transitions of the iPhone 18 Pro and iPhone 18 Pro Max mark a significant performance leap, with the new A20 Pro silicon making these the most powerful smartphones as well as the most capable AI devices in the ecosystem. There is broad continuity as far as the screen sizes, and overall aesthetics are concerned, but a number of changes have happened under the hood. Faster wired charging, battery stamina improvements, variable aperture on the main camera, and an updated Camera app, mark the new 'Pro' phones that are now priced ₹1,64,900 onwards.

That's aside from the gorgeous new Burgundy



colour, which will be the flagship colour for the iPhone 18 Pro series, replacing last year's Cosmic Orange. Speaking of which, Black and Silver may look familiar, but there's a second very cool looking shade in the iPhone 18 Pro's array of colours—Glacier, or a very sophisticated shade of light blue. If Burgundy isn't your thing for some reason, Glacier might be the ticket to stand out in the crowd. These phones have become more

expensive generationally, which is a sign of geopolitical ramifications and supply chain variables.

As far as visually comparing the iPhone 18 Pro Max and the iPhone 18 Pro with the iPhone 17 Pro Max and the iPhone 17 Pro, it all looks mostly at par. However, I have not been able to check of the iPhone 17 Pro series cases will fit the iPhone 18 Pro series—that's what comes from being someone who uses their phone without a case.



Detecting the truth.

www.detectivegroup.in | www.detectivesgroup.com | 9111050101

CONFIDENTIAL INVESTIGATION

& All Type Of Detective Services



बेसमेंट और फायर सेफ्टी उल्लंघन पर निगम की कार्रवाई

⑨ डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नगर निगम ने बेसमेंट के अनधिकृत उपयोग और फायर सेफ्टी मानकों का पालन नहीं करने वाले भवनों एवं प्रतिष्ठानों के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई की। आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर भवन अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण कर कार्रवाई की।

जोन 11 में 56 दुकान के सामने स्थित बेसमेंट सहित 7 मंजिला अपोलो टावर, जिसमें 600 से अधिक दुकानें हैं, में फायर सेफ्टी नियमों के उल्लंघन पर सीलिंग कार्रवाई शुरू की गई। जोन 9 में वाय.एन. रोड स्थित हीरो शोरूम, जोन 8 में प्लॉट 109 ई.सी. स्थित कार्यालय और जोन 17 में गौरव रेस्टोरेंट के



बेसमेंट को सील किया गया। इसी तरह जोन 15 में उषा नगर स्थित कैटलाइनर कोचिंग के प्रशासनिक कार्यालय, जोन 10 में गायल नगर के प्लॉट 320 एवं 329 में संवालिंत हॉस्टल तथा जोन 3 में पोली ग्राउंड स्थित गुरु कृष्ण ऑफसेट प्रिंटिंग एवं नेमा काइर्स

पर भी फायर सेफ्टी नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई। निगम ने स्पष्ट किया कि बेसमेंट का उपयोग स्वीकृत भवन अनुज्ञा के अनुरूप होना चाहिए। फायर और स्ट्रक्चरल सेफ्टी मानकों का उल्लंघन मिलने पर आगे भी नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

शादी का झांसा देकर युवती से 2.5 लाख ठगे

⑩ डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एरोड पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर मेट्रोमोनियल साइट के जरिए ऑनलाइन ठगी का मामला दर्ज किया है। युवती ने शादी के लिए साइट पर अपनी प्रोफाइल बनाई थी। इसी दौरान शशांक शर्मा नाम के युवक ने उससे संपर्क किया। बातचीत के बाद दोनों ने वॉट्सऐप नंबर शेयर किए।

आरोपी ने खुद को दुबई में होना बताया और अलग-अलग बहाने से युवती से ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर करवाए। करीब 2.5 लाख रुपए लेने के बाद युवती को शक हुआ। इसके बाद वह अपने दोस्तों के साथ ओमेक्स सिटी स्थित बताए गए पते पर पहुंची, लेकिन वहां शशांक शर्मा नाम के व्यक्ति की कोई जानकारी नहीं मिली। युवती ने मेट्रोमोनियल साइट्स पर भी प्रोफाइल को लेकर संपर्क किया, लेकिन अकाउंट की जानकारी सामने नहीं आई। बाद में उसने साइबर हेलपलाइन पर शिकायत की। एरोड पुलिस ने बुधवार को पलक की शिकायत पर शशांक शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक, पलक की

6 जून 2026 को मेट्रोमोनियल साइट पर शशांक शर्मा नाम के युवक से पहचान हुई थी। बातचीत आगे बढ़ने पर दोनों ने वॉट्सऐप नंबर शेयर किए। इसके बाद 9 जुलाई को शशांक का पलक के पास कॉल आया।

उसने बताया कि वह दुबई में है। उसने पलक से कहा कि वह ओमेक्स सिटी जाकर पेमेंट उठा ले। इस पर पलक ने ऑनलाइन पेमेंट ट्रांसफर कर दिया। पेमेंट करने के बाद स्क्रीन पर श्री नाम के किसी अन्य व्यक्ति का नाम दिखाई दिया। इसके बाद 17 जुलाई को शशांक ने कस्टमर के लोगों द्वारा पकड़े जाने के नाम पर पलक से 20 हजार रुपए की मांग की। उसने यह भी बताया कि उसका अकाउंट फ्रीज हो गया है। पलक ने 20 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। यह रकम मोहम्मद नाम के व्यक्ति के अकाउंट में गई। अगले दिन आरोपी ने फिर कॉल कर बताया कि कस्टमर के लोग 3 लाख रुपए और मांग रहे हैं। उसने पलक से 2 लाख 15 हजार रुपए का इंतजाम करने को कहा और बाकी 85 हजार रुपए भी मांगे। इसके बाद पलक ने दो दोस्तों से पेमेंट करवाया।

महिला के गले पर ब्लेड से हमला खून से लथपथ सड़क पर दौड़ी

ट्रैफिक पुलिस ने बचाई जान

⑪ डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर के पलासिया थाना क्षेत्र में आपसी विवाद के बाद एक व्यक्ति ने अपनी महिला मित्र के गले पर ब्लेड से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला खून से लथपथ हालत में मदद के लिए सड़क पर दौड़ती रही। इसी दौरान मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए उसकी जान बचाई।

जानकारी के अनुसार, महिला और उसके परिचित के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद महिला शिकायत दर्ज कराने महिला थाने जा रही थी। इसी दौरान थाने से कुछ दूरी पर आरोपी ने उसके गले पर ब्लेड से हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला मदद के लिए

सड़क पर दौड़ी, जहां ट्रैफिक पुलिस के आरक्षक सुमन सिंह कछावा, रवि मंडेलिया और वीरेंद्र धुरिया ने उसे देखा। जवानों ने तत्काल उसके गले पर रुमाल से पट्टी बांधी और ऑटो की मदद से नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया। समय पर उपचार मिलने से महिला की हालत स्थिर बताई जा रही है।

वहीं, महिला पर हमला करने के बाद आरोपी ने भी अपने गले पर ब्लेड से वार कर लिया। इसके बाद आरक्षक रवि मंडेलिया और कृष्णा ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार किया गया। दोनों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद पलासिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस पूरे मामले को जांच कर रही है और विवाद के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

कार का कांच फोड़कर 28 हजार रुपए चोरी

⑫ डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। विजयनगर और लसूडिया थाना क्षेत्र में चोरी की दो वारदातें सामने आई हैं। विजयनगर में बंदमार्शों ने मंदिर दर्शन करने गए मैनेजर की कार का कांच फोड़कर 28 हजार रुपए से भरा बैग चोरी कर लिया। वहीं, लसूडिया में पत्नी के साथ ससुराल गए युवक के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर सोने-चांदी के जेवर, मोबाइल और नकदी ले गए। दोनों मामलों में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विजयनगर पुलिस के अनुसार निजी संस्थान में मैनेजर योगेश टांक मंगलवार शाम कार से तलावली चांदा स्थित घर लौट रहे थे। रास्ते में मिठाई खरीदने के बाद उन्होंने पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास कार पार्क की और दर्शन करने चले गए। कुछ देर बाद लौटते तो कार की खिड़की का कांच टूटा मिला। अंदर रखा बैग भी गायब था। बैग में तीन लिफाफों में करीब 28 हजार रुपए रखे थे। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। लसूडिया थाना क्षेत्र की सेरेनसिटी में रहने वाले फनीचर कारीगर लखन पौरवाल अपनी पत्नी टीना के साथ आठ स्थित ससुराल गए थे। रात में घर लौटते तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर सामान बिखरा पड़ा था।

'My in-laws sold my wife for 28k' - Private detective traced her but police could not find her. She is now in the police station. अभिभावकों को है बच्चों की सुरक्षा का डर

...कोई है! गरबोत्सव में जासूसी का जाल

कहीं आप पर तो नई है जासूसी नजर जासूसों पर है ज्यादा भरोसा

बच्चों की हकतों पर भी जासूसों की नजर

अभिभावक करवाने लगे हैं बच्चों की जासूसी

जहन की रात कुछ आखें देंगी पहरा

आँखें मूंदकर न तय करें रिश्ता

रिश्तों पर लगी जासूसी नजर...

Confidential Investigation & all type of Detective services

Since 2002...

Character Verifications, चारित्रिक, तलाश, जासूसी, कोर्टसबूत, कस, बचो, Matrimonial, वैवाहिक, Evidences, Fraud, शक, Criminal, राजनैतिक, Political

DETECTIVE GROUP

कब...क्यों...कहाँ...कितना...कैसे...!

पूर्ण गोपनीयता...पूर्ण विश्वसनीयता

www.detectivegroup.in

9111050101, 9111050101, 7312433667

jasoosdada@gmail.com